nirmaan
empowering communities

पईसा कमाबे काजैं
इतनौ टैम खर्च मत
करो, कै पईसा है
खर्च करबे काजैं
जिन्दगी में
टैम ही ना
मिले।

बिरजभासा की उन्नति और विकास

लाड़ली पतरिका

अपरेल ते जून-2022

छापबे बारी
निरमान सुसाइटी
www.brajbhasha.org.in

राजस्थान फव्वारा सिस्टम योजना

उद्देस्य

• सिचाई पानी की 50-55 प्रितिसत बचत कर याय काम में उपयोग कर उत्पादन में बढ़ौतरी करबौ।

अनुदान:

• बीच के किसान ऐ 50 प्रितिसत और छोटे किसान ऐ 60 प्रितिसत अनुदान दियौ जाबैगौ।

• जादा ते जादा 5 बीघा तक ही अनुदान दियौ जाबैगौ।

पात्रता:

• किसान के पास कम ते कम 0.2 हैक्टेयर सिंचित खेती काम

आवेदन करबे की जानकारी:

• ई-मित्र पै जाकै आप अवेदन कर सकैं हैं

• किसान के पास खेत की नकल (6 महीना ते पुरानी ना हौ), आधार कार्ड/जन आधार कार्ड

• सिंचाई सत्रोत प्रमाण पत्र

• आपूर्तिकर्ता कौ बिल

और महत्वपूर्ण बिंदु:

• फव्वारौ सिस्टम काजैं किसान नै जा साल में आवेदन करौ है, बाई साल में खरीदे गये सिस्टम के बिल हैबै पर ही किसान ऐ अनुदान दियौ जाबैगौ।

• भौतिक सत्यापन के अनुसार सही पाबै जाबे पै ही अनुदान रासि सीधे किसान के खाते में भेजी जाबैगी।

वैधता:

चाली वित्तीय साल

कहानी (पईसा ही सब कछु नाय)

राम एक दस साल कौ लड़का हौ, बू अपने मां-बाप कौ अकेलौ बेटा हौ, राम कौ पिता एक भौत व्यस्त बौपारी हौ जौ अपने बेटा के संग टैम ना बिता सकौ।

बू राम सोबे के बाद घर आबै हौ, और सुबह उठबे ते पहले ही ऑफीस चलौ जाबै हौ। बू अपने दोस्तन के संग बाहर जाबै हौ अपने पिता के संग खेलनौ चाहबे हौ।

एक दिना साम कूं राम अपने पिता ऐ देखकैं हैरान हैगौ, बू अपने पिता ते पूछबे लगौ, 'तुम एक साल मे कितनौ कमामै हैं' राम के पिता नै जबाब दियौ हजार रूपईया घंटा।

फिर राम अपने कमरा में गयौ और गुल्लक के संग लैकैं आयौ, जामै बाकी बचत ही। पिताजी मेरी गुल्लक में पांच हजार हैं, का तुम मेरे काजैं दो घंटा कौ टैम दै सकैं हैं।

मैं समन्दर किनारे कल साम कूं तुम्हारे संग भजन करनौ चाहूं, का तुम मेरे संग जा सकैं हैं, बाकी बात सुनकैं राम के पिता अबाक भक्त थे।

सिक्छा:- पिता माता अपने बच्चान नैं जो सबसे बड़ौ उपहार दे सकैं हैं बू है टैम, पईसा ते सब कछु ना खरीद सकैं।

भजन

टेक- छोटी सी किशोरी ...

छोटी सी किशोरी मेरे अँगना में खेले री।

पैरो में पैंजानिया, छम-छम डोले री।

मैंने वासे पूछा लाली क्या है तेरा नाम री,

वह मुसका के मुझसे बोली राधा मेरा नाम जी।

मैंने वासे पूछा छो मैंने वासे पूछा गोरी क्या है तेरा गाम री,

वह इठला के मुझसे बोली बरसाना मेरा गाम जी।

री क्या है तेरा गाम री,

वह इठला के मुझसे बोली बरसाना मेरा गाम जी।

मैंने वासे पूछा राधे कहाँ तेरा ससुराल री,

नयन नचा के मुझसे बोली नन्द ग्राम ससुराल जी।

जो बात-बात पै बुरौ मानै है, बू कभऊ मायने ना राखौ। और जो तुम्हारे काजैं मायने राखै, बू कभऊ बूरौ ना मानौ।।

लोकगीत

जल की मछरियाँ सासुल, बिकन को आईं जी

कोई हमें हू दिवाय देओ सासुल जल की मछरियाँ जी

आज नहीं लेंगे बहुअर, कल नहीं लेंगे जी

कोई परसों को लेंगे बहुअर, जल की मछरियाँ जी

बारह बरस पीछे राजा घर आए जी

कोई हम हू चलेंगे सासुल, राजा जी की बगिया जी

आज नहीं जाएँगे बहुअर, कल नहीं जाएँगे जी

कोई परसों को जाएँगे बहुअर, बेटा जी की बगिया जी

कोई बारह बरस पीछे हम घर आए जी

ए जी कहीं भी न दीखे अम्मा, सासुल जाई जी

सासुल जाई बेटा गर्ब हठीली जी

कोई सोई पड़ी है बेटा, ऊंची अटरिया जी

ए जी नरम सी संटी बेटा, बागों से लइयो जी

कोई मार जगइयो बेटा, सासुल जाई जी

एक संटी मारी राजा, दोय-चार मारीं जी

कोई तब हू न उठी रामा, सासुल जाई जी

मुखड़ा उघाड़ राजा, देखन लागे जी

कोई काली पड़ी रे रामा, कंचन काया जी

कोई बागों में जा के राजा, चन्दन लाए जी

कोई फूँक जराईं रामा, सासुल जाई जी

कोई सपने में अइयो गोरी, दुखड़ा सुनइयो जी

कोई क्या दुःख व्यापा गोरी, मरण संजोया जी

कोई तुमरे तो आगे राजा, पूड़ी-कचौड़ी जी

कोई तुमरे तो पीछे राजा, रूखे-सूखे टुकड़े जी

कोई तुमरे तो आगे राजा, दूध-कटोरा जी

कोई तुमरे आवन की सुन के, बिस भरे प्याले जी

कोई जहर के प्याले पी के, नींद लग आई जी

कोई आय चढ़ सोई राजा, सेज तुम्हारी जी

कोई दूर चाकरी जाये, या न जाये जी

कोई माँ पे न छोड़े कोई, सासुल जाई जी

जल की मछरियाँ ----------

बिना हुनर के बुराई तो कोई की भी कर सकैं हैं, कोई की तारीफ करबे काजैं जिगर चहियै।

सम्पर्क

निर्माण सोसायटी

सहारई रोड़, तहसील-डीग,

जिला-भरतपुर, राजस्थान-321203

मोबाईल नं. 8696208682

बेबसाइट: www.brajbhasha.org.in

ई-मेल: rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

info@nirmaan.org.in

बिरज भासा सब्दकोस डॉउनलोड करबे काजैं दिये गये QR कोड ऐ स्कैन करौ: